1995 4

Sthitpragya

(घ) ईशावास्योपनिषद्

Ishavashyopnishad

(1000)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Maitreyi College LIBRARY Chanakyapuri, New Delhi-110021

10.01.24(E)

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1995 G

Unique Paper Code : 2131002002

Name of the Paper : Sanskrit B : Introductory Upanishad and Geeta

Name of the Course : **Common Prog. Group - AEC**

Semester : I

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 60

Instructions for Candidates

1. Write your Roll Number on the top immediately on receipt of this question paper.
2. **All** questions are compulsory.
3. Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

munotes.in

2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

3. अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न पत्र का उत्तर **संस्कृत** अथवा **हिन्दी** अथवा **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों का उत्तर दीजिए :

(15×3=45)

Answer any **three** of the following questions :

(क) ईशावास्योपनिषद् के अनुसार "विद्या-अविद्या" पर निबंध लिखिए।

Write an essay on "Vidya-Avidya" according to Ishavasyopnishad.

(ख) गीता के अनुसार "भक्तियोग" की व्याख्या करें।

Explain "Bhaktiyog" according to Geeta.

(ग) गीता भारतीय मनोविज्ञान का आधारत ग्रंथ है, व्याख्या करें।

The Geeta is the basic source of Indian Psychology, Explain it.

(घ) गीता के अनुसार "ज्ञानयोग" क्या है?

What is "Gyanyog" according to Geeta.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(5×3=15)

Write short notes on any **three** of the following :

(क) सत्

Sat

(ख) कर्मयोग

Karmyog

(ग) स्थित-प्रज्ञ

munotes.in